राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–280/2023

सहिष्णुता हमारी संस्कृति का आधार रही है–राज्यपाल

पटना, 21 अक्टूबर, 2023 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री स्व० डॉ० श्रीकृष्ण सिंह के 136वें जन्म दिवस के अवसर पर बिहार इंटेलेक्चुअल फोरम एवं मेडिवर्सल फाऊण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में बिहार इंडस्ट्रीज एसोसियेशन, पटना के सभागार में आयोजित 'बिहार केसरी सम्मान समारोह' में भाग लिया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सहिष्णुता हमारी संस्कृति का आधार रही है। मतभेद होने के बावजूद भी हममें मन का भेद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में भी संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर सहिष्णुता को स्थापित करना चाहिए। एकजुट होकर ही हम विकास की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

राज्यपाल ने डॉ० श्रीकृष्ण सिंह को बिहार का भाग्य विधाता बताते हुए कहा कि आज उनके पदचिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। उनका जीवन पूरी तरह पारदर्शी था। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को गरीब और पिछड़ा होने जैसी हीन भावना से मुक्त होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। यहाँ के लोग काफी क्षमतावान है तथा यहाँ की संस्कृति, इतिहास और परम्पराएँ उन्हें आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार प्रदान करती हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हम अपनी शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाकर अपने पुराने गौरव को वापस ला सकते हैं। हमें प्रयास करना है कि बिहार के बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाएँ, बल्कि बाहर के बच्चे पढ़ने के लिए इस राज्य में आएँ। यह हमारे सामूहिक प्रयत्न से संभव है।

प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत अभियान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को वर्ष 2024 के अंत तक टी०बी० से मुक्त करना है। इसके लिए उन्होंने नि–क्षय मित्र बनकर टी०बी० के मरीजों को सहयोग करने को कहा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने टी०बी० रोगियों को पोषण किट भी प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में ख्यातिप्राप्त महानुभावों को 'बिहार केसरी' सम्मान से सम्मानित किया।

कार्यक्रम को माननीय विधायक डॉ० संजीव कुमार एवं आचार्य किशोर कुणाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बिहार इंटेलेक्चुअल फोरम एवं मेडिवर्सल फाऊण्डेशन के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

....